पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

HINDI WORKSHEET –CHAP-3

p/-0-inMnil iqt gdyax ko p!kr pXno. ke]Ttr iliq0-

बछेंद्री के लिए पर्वतारोहण का पहला मौक़ा 12 साल की उम्र में आया, जब उन्होंने अपने स्कूल की सहपाठियों के साथ 400 मीटर की चढ़ाई की। 1984 में भारत का चौथा एवरेस्ट अभियान शुरू हुआ। इस अभियान में जो टीम बनी, उस में बछेंद्री समेत 7 महिलाओं और 11 पुरुषों को शामिल किया गया था। इस टीम के द्वारा 23 मई 1984 को अपराह्न 1 बजकर सात मिनट पर 29,028 फुट (8,848 मीटर) की ऊंचाई पर 'सागरमाथा (एवरेस्ट)' पर भारत का झंडा लहराया गया। इस के साथ एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक क़दम रखने वाले वे दुनिया की 5वीं महिला बनीं।भारतीय अभियान दल के सदस्य के रूप में माउंट एवरेस्ट पर आरोहण के कुछ ही समय बाद उन्होंने इस शिखर पर महिलाओं की एक टीम के अभियान का सफल नेतृत्व किया। उन्होने 1994 में गंगा नदी में हरिद्वार से कलकत्ता तक 2,500 किमी लंबे नौका अभियान का नेतृत्व किया। हिमालय के गलियारे में भूटान, नेपाल, लेह और सियाचिन ग्लेशियर से होते हुए काराकोरम पर्वत शृंखला पर समाप्त होने वाला 4,000 किमी लंबा अभियान उनके द्वारा पूरा किया गया, जिसे इस दुर्गम क्षेत्र में प्रथम महिला अभियान का प्रयास कहा जाता है।

p/-0-p/Stut gdyax iks keiv8y mehE
p/-Ô-pvRaroh` ka m0ka iks]m/ meiml a?
p/-Õ-b7dI/pal ko iks sal mewart ke0vr63 Aiwyan 3Im ka ihs sa bnneka m0ka iml a?
p/-Ö- yh 3Im iks idn A0r iktnebje0vr63 pr phuc I?
p/-×-]ict xI8R dlij0-

p/-Ô-inMnil iqt pXno. ke]Ttr iliq0-

0-leq ka ko @vj jE a Kya lga?
Ô-ihmSq In meiktnel ogo kI m0t hu{?
Õ-Da-mInumbta neKya jankairya>dI?
Ö-leq ka ko ikn kesa4 c!a{ krnI 4I?
×-0vr63 pr c!nekeil0 kuI iktnekEp bna0 g0?

p/Õ-inMniliqt ik/yaivxe`o. ko]ict S4an pr iliq0-

Ü Agleidn, km smy me kU de me sbh tkÝ

Ó-mE-----------yh kayRkr lga|

Ô-badl i6rneke----------hl v8aRho g{|

Õ-]snebhu----------[tnl trKkl kr ll|

Ö-naDkesa ko -------------ga> jana 4a|

p/Ö-inMniliqt yumo. sevaKy bna[0-

Ó-3el-mel_ Ô-ghra-c0Da_ Õ-hKka-pKka

Ö-[2r-]2r ×-Aas-pas Ø-lba-c0Da_

p/×-Apneip/y iq laDl_ keiv8y meÓ× vaKy iliq0-

_---